जनसत्ता (Jansatta)

दिनांक (Dated): 06/03/2022 | पृष्ठ सं0 (Page No). 08 | क्रम सं0(Serial No.)

सीआइएसएफ में महिला कर्मचारियों की भागीदारी 20 फीसद हो : अमित शाह

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 6 मार्च।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) ने गाजियाबाद स्थित 5वीं रिजर्व बटालियन में रविवार को अपना 53वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने परेड की सलामी ली और शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर गृहमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ समय में सीआइएसएफ की तैनाती का दायरा और बड़ा होगा। यह अकेला ऐसा बल है, जहां महिला कर्मचारियों की संख्या में इजाफा किया जाएगा। वर्तमान समय में बल में छह फीसद महिला कर्मचारी हैं। फिलहाल 94:6 से बढ़ाकर इसको 80:20 करने की जरूरत हैं। आगामी दिनों में 20 फीसद महिला कर्मचारियों की भर्ती बल में होगी। उन्होंने कहा कि बल पांच सालों के भीतर आगामी 25 सालों की कार्य यौजना तैयार करे। जब देश अपनी आजादी का शताब्दी मना रहा होगा। उस वक्त सीआइएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

गृहमंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि भारत जब 25 अरब डालर की मजबूत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ा, तब 1969 में गठित सीआइएसएफ ने देश में औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने के लिए एक मूक कर्मयोगी की तरह काम किया और निजी विनिर्माण इकाइयों की रक्षा की। उन्होंने सवाल किया कि निजी सुरक्षा एजंसियां का काम तेजी से बढ़ रहा है। उनकी कार्य प्रणाली निर्धारित करने के लिए नियम-कायदे लेकर आए हैं। क्या सीआईएसएफ निजी सुरक्षा एजंसियों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी ले सकती है? उन्होंने

अपने संबोधन में कहा, आपरेशन गंगा और वंदे भारत अभियान में सीआइएसएफ ने निभाई महत्त्वपूर्ण भूमिका।

कहा कि एक ऐसा हाइब्रिड सुरक्षा माडल विकसित किया जा सकता है, जिसमें सीआइएसएफ रणनीति तैयार करेगी और जहां निजी एजंसियां और सीआईएसएफ, दोनों के सुरक्षाकर्मी साथ काम कर पाएंगे, ताकि अर्धसैनिक बल इस जिम्मेदारी से धीरे-धीरे बाहर आकर अपने कार्यों को निजी सुरक्षा एजेंसियों को सौंप सके।

शाह ने अर्धसैनिक बल को निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर अपने दृष्टिकोण को आक्रामक रूप से बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सीआइएसएफ फिलहाल 11 निजी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कर रही है और यह संख्या काफी कम है। मौजूदा समय में मैसूर, बेंगलुरु और पुणे में इंफोसिस परिसर, हरिद्वार में पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क तथा गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस रिफाइनरी उन निजी प्रतिष्ठानों में शामिल है, जो सीआइएसएफ की सुरक्षा निगरानी के दायरे में आते हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न हवाईअड्डों पर तैनात सीआइएसएफ जवान भी ऑपरेशन गंगा का हिस्सा हैं, जिसके तहत भारतीयों को विशेष उड़ानों के जरिए युद्ध प्रभावित यूक्रेन से निकाला जा रहा है। सीआइएसएफ कर्मचारी बहुत विनम्र और अच्छे व्यवहार के साथ भारतीयों की अगवानी करते दिखाई दे रहे हैं।